

मुख्य परीक्षा

असंगठित क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण

संदर्भ

महिला सशक्तिकरण संबंधी संसदीय समिति ने "असंगठित क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण" शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की।

संसदीय समिति द्वारा पहचाने गए प्रमुख मुद्दे -

- **अंतरराज्यीय प्रवासी महिला श्रमिक:** उनका आर्थिक योगदान काफी हद तक अदृश्य रहता है, जिससे वे शोषण और मान्यता की कमी के शिकार हो जाती हैं।
- **प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (PM-SYM) योजना:** महिला श्रमिकों के नामांकन में महत्वपूर्ण क्षेत्रीय असमानताएँ देखी गई हैं, विशेषकर लक्षद्वीप और सिक्किम में भागीदारी अत्यंत कम है।
- **कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013:** कई स्थानीय समितियाँ (LCs) या तो क्रियाशील नहीं हैं या श्रमिकों में उनके अस्तित्व और भूमिका के बारे में जागरूकता का अभाव है।
- **मिशन शक्ति के तहत पालना योजना:** निधियों का बहुत कम उपयोग (6.24%) और खराब संचालन देखा गया है; स्वीकृत 14,599 केंद्रों में से केवल 2,425 आंगनवाड़ी-सह-क्रेच (पालना घर) केंद्र ही कार्यात्मक हैं।

समिति की प्रमुख सिफारिशें -

- **अंतरराज्यीय प्रवासी कर्मकार अधिनियम, 1979 को सुदृढ़ करना:** ई-श्रम (e-Shram) से जुड़े एक राष्ट्रीय डिजिटल डेटाबेस का निर्माण करना, जो महिला प्रवासियों की सुरक्षा, गरिमा और जीवन स्तर से संबंधित समस्याओं का समाधान करे।
- **प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन (PM-SYM) के तहत जिला-स्तरीय नामांकन अभियानों को तीव्र करना:** विशेष रूप से महिला-नेतृत्व वाले नेटवर्क जैसे स्वयं सहायता समूहों (SHGs), आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा (ASHAs) कार्यकर्ताओं के माध्यम से इसे प्रभावी बनाना।
- **स्थानीय समितियों की पूर्ण कार्यक्षमता और पर्याप्त वित्तपोषण सुनिश्चित करना:** इसके साथ ही व्यापक सामुदायिक जागरूकता का प्रसार करना।
- **वन स्टॉप सेंटर्स (One Stop Centres) और जिला कानूनी सेवा प्राधिकरणों को सुदृढ़ करना:** और घरेलू कामगारों को श्रम संरक्षण ढांचे के अंतर्गत सम्मिलित करना।
- **पालना योजना के तहत बजट कार्यान्वयन में सुधार करना और आंगनवाड़ी-सह-क्रेच केंद्रों के त्वरित संचालन को सुनिश्चित करना।**

स्रोत: [हिंदुस्तान टाइम्स](#)

प्रारंभिक परीक्षा

फॉग हार्वेस्टिंग (Fog Harvesting)

संदर्भ

फॉग हार्वेस्टिंग भारत के कोहरे-प्रवण एवं जल-संकटग्रस्त क्षेत्रों के लिए एक कम लागत वाला, जलवायु-अनुकूलित जल समाधान के रूप में उभर रहा है।

फॉग हार्वेस्टिंग से क्या तात्पर्य है?

- फॉग हार्वेस्टिंग (जिसे कोहरा कलेक्शन या कोहरा कैचिंग भी कहा जाता है) एक निष्क्रिय (passive) जल संग्रह तकनीक है, जिसमें कोहरे के गलियारों में स्थापित सूक्ष्म जालीदार (fine mesh) जालों का उपयोग कर कोहरे की सूक्ष्म जल-बूंदों को एकत्र किया जाता है।
- जैसे ही कोहरे की बूंदें जाल से टकराती हैं, वे बड़ी बूंदों में मिल जाती हैं जो गुरुत्वाकर्षण द्वारा गटर और भंडारण टैंकों में प्रवाहित होती हैं।
- सिस्टम को किसी बाहरी ऊर्जा, न्यूनतम बुनियादी ढांचे की आवश्यकता नहीं होती है, और बुनियादी निस्पंदन और कीटाणुशोधन के साथ, एकत्रित पानी का उपयोग पीने, घरेलू जरूरतों या कृषि के लिए किया जा सकता है।
- अनुकूल परिस्थितियों में, एक कोहरे के जाल से प्रति दिन 400 लीटर तक पानी मिल सकता है, और क्लस्टर सिस्टम पूरे गांवों की आपूर्ति कर सकता है।

भारत की जलवायु के लिए फॉग हार्वेस्टिंग की उपयुक्तता

- भारत में अनेक कोहरे-प्रवण सूक्ष्म जलवायु क्षेत्र पाए जाते हैं, विशेषकर हिमालयी एवं पर्वतीय क्षेत्रों, तटीय पट्टियों तथा कुछ वर्षा-छाया (rain-shadow) क्षेत्रों में।
- संभावित रूप से उपयुक्त क्षेत्रों में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल की दार्जिलिंग पहाड़ियां, मेघालय, पूर्वोत्तर के कुछ हिस्से और कुछ तटीय या हवा की ओर ढलान शामिल हैं।
- यह तकनीक भारत की जरूरतों के साथ अच्छी तरह से मेल खाती है क्योंकि यह कम लागत, विकेंद्रीकृत, जलवायु-लचीली और समुदाय-प्रबंधनीय है, जो इसे दूरस्थ और उच्च ऊंचाई वाली बस्तियों के लिए उपयुक्त बनाती है।

- फॉग हार्वेस्टिंग मौजूदा स्रोतों जैसे झरनों, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण का पूरक हो सकती है, जिससे मौसमी जल असुरक्षा कम हो सकती है।
- सीमाओं में उच्च साइट-विशिष्टता, मौसमी निर्भरता, भूमि की आवश्यकताएं और नियमित रखरखाव की आवश्यकता के साथ-साथ प्रदूषित या औद्योगिक क्षेत्रों में सावधानी शामिल है।

स्रोत: [हिंदू बिजनेसलाइन](#)

DHRUV64 माइक्रोप्रोसेसर

संदर्भ

हाल ही में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने DHRUV64 माइक्रोप्रोसेसर लॉन्च करने की घोषणा की।

DHRUV64 माइक्रोप्रोसेसर क्या है -

- DHRUV64 एक 64-बिट, डुअल-कोर (dual-core), 1GHz सामान्य प्रयोजन वाला माइक्रोप्रोसेसर है। इसे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के माइक्रोप्रोसेसर विकास कार्यक्रम के तहत C-DAC द्वारा विकसित किया गया है।
- यह RISC-V ओपन इंस्ट्रक्शन सेट आर्किटेक्चर (ISA) पर आधारित है और डिजिटल इंडिया RISC-V (DIR-V) कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- इस प्रोसेसर को ऑपरेटिंग सिस्टम और एम्बेडेड अनुप्रयोगों (embedded applications) को समर्थन देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका मुख्य लक्ष्य दूरसंचार उपकरण, औद्योगिक स्वचालन (industrial automation), नियंत्रण प्रणाली और रणनीतिक क्षेत्र जैसे उपयोग के मामले हैं।

- **DIR-V (डिजिटल इंडिया RISC-V):** यह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य भारत में RISC-V आधारित माइक्रोप्रोसेसरों का एक स्वदेशी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है।
- **प्रमुख उपलब्धियाँ:** DIR-V कार्यक्रम के

परिणामस्वरूप THEJAS32, THEJAS64, और DHRUV64 जैसे चिप्स विकसित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, DHANUSH और DHANUSH+ जैसे अधिक उन्नत प्रोसेसर वर्तमान में विकास के चरण में हैं।

स्रोत: [द हिंदू](#)

डेजर्ट साइक्लोन अभ्यास-2025

संदर्भ

इसका द्वितीय संस्करण, डेजर्ट साइक्लोन-II, 18 से 30 दिसंबर 2025 तक अबू धाबी, संयुक्त अरब अमीरात(UAE) में आयोजित किया जा रहा है।

डेजर्ट साइक्लोन अभ्यास के बारे में -

- **प्रकार:** यह एक द्विपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
- **प्रतिभागी:** यह भारतीय सेना और यूएई (UAE) की थल सेनाओं के बीच आयोजित किया जाता है।
- **उद्देश्य:** इसे दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग, अंतर-संचालनीयता (interoperability) और प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है।
- **मुख्य गतिविधियाँ:** सैनिक निर्मित क्षेत्रों (built-up areas) में युद्ध, हेलीबोर्न ऑपरेशंस (heliborne operations), मिशन नियोजन और UAS (मानवरहित विमान प्रणाली) तथा काउंटर-UAS क्षमताओं के एकीकरण का अभ्यास करेंगे।
- **शुरुआत:** इस अभ्यास की शुरुआत वर्ष 2024 में हुई थी।

स्रोत: [डीडी न्यूज](#)

गैर-संचारी रोगों (NCD) और मानसिक स्वास्थ्य पर वैश्विक घोषणा

संदर्भ

संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के 80वें सत्र में गैर-संचारी रोगों (NCD) और मानसिक स्वास्थ्य पर एक प्रस्ताव पारित किया गया।

घोषणा की मुख्य विशेषताएं -

- इस घोषणा से गैर-संचारी रोगों (NCD) के एजेंडे का विस्तार होता है और इसमें मौखिक स्वास्थ्य, फेफड़ों का स्वास्थ्य और बचपन के कैंसर जैसे क्षेत्र शामिल होते हैं।

- यह स्पष्ट रूप से पर्यावरण और रासायनिक जोखिम कारकों को कवर करता है, जिसमें वायु प्रदूषण, स्वच्छ खाना पकाने की पहुंच, सीसा जोखिम और खतरनाक रसायन शामिल हैं।
- पहली बार, यह अत्यधिक स्क्रीन टाइम, सोशल मीडिया उपयोग, गलत सूचना और दुष्प्रचार से होने वाले नुकसान को स्वीकार करता है।
- यह तंबाकू, अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों, ट्रांस वसा और ई-सिगरेट के सख्त विनियमन की मांग करता है।
- संपूर्ण-सरकार और संपूर्ण-समाज दृष्टिकोण: यह नागरिक समाज, युवाओं, दिव्यांग व्यक्तियों और निजी क्षेत्र को शामिल करते हुए समन्वित कार्रवाई को बढ़ावा देता है।
- यह डब्ल्यूएचओ के तकनीकी समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा प्रगति रिपोर्टिंग को अनिवार्य करता है।

2030 तक प्राप्त किए जाने वाले वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्य -

- **पहले वैश्विक फास्ट-ट्रैक लक्ष्य:**
 - तंबाकू का सेवन करने वालों की संख्या में 150 मिलियन की कमी करना।
 - सुनिश्चित करना कि 150 मिलियन और लोगों ने उच्च रक्तचाप को नियंत्रित किया है।
 - 150 मिलियन से अधिक लोगों को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच प्रदान करना।
- **सिस्टम-स्तरीय प्रक्रिया लक्ष्य:**
 - कम से कम 80% देशों में NCD और मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करने वाले नीतिगत, विधायी, राजकोषीय और नियामक उपाय होने चाहिए।
 - कम से कम 80 प्रतिशत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित सस्ती आवश्यक दवाएं और प्रौद्योगिकियां होनी चाहिए।
 - कम से कम 60% देशों को मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए।

स्रोत: [डब्ल्यूएचओ समाचार](#)

ब्रिक्स

संदर्भ

ब्राजील ने 12 दिसंबर, 2025 को चौथी ब्रिक्स शेरपा बैठक के समापन सत्र के दौरान आधिकारिक तौर पर ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत को हस्तांतरित कर दी।

ब्रिक्स के बारे में -

- "BRIC या ब्रिक" शब्द पहली बार 2001 में गोल्डमैन सैक्स द्वारा पेश किया गया था,
 - BIRC संस्थापक सदस्यों के लिए संक्षिप्त नाम है - ब्राजील, रूस, भारत और चीन।
- वर्तमान सदस्य: 11
 - दक्षिण अफ्रीका 2010 में ब्रिक्स में शामिल हुआ, जिसने ब्रिक(BRIC) को ब्रिक्स(BRICS) में बदल दिया।
 - 2024: 1 जनवरी, 2024 से मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हुए।
 - जनवरी 2025: इंडोनेशिया पूर्ण सदस्य बन गया और बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा और उज्बेकिस्तान जैसे देशों को भागीदार देशों के रूप में शामिल किया गया।
- सामूहिक रूप से, ये राष्ट्र वैश्विक आबादी का लगभग 49.5%, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 40% और वैश्विक व्यापार का लगभग 26% प्रतिनिधित्व करते हैं।

शिखर सम्मेलन:

- पहला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन (2009): येकातेरिनबर्ग, रूस
- सबसे हालिया सम्मेलन:
 - 16वां शिखर सम्मेलन 2024: कज़ान, रूस। विषय: न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना
 - 15वां शिखर सम्मेलन (2023): जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका। विषय: ब्रिक्स और अफ्रीका: पारस्परिक रूप से त्वरित

विकास, सतत विकास और समावेशी बहुपक्षवाद के लिए साझेदारी

- अध्यक्षता: यह प्रतिवर्ष ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के बीच बारी-बारी से बदलती है।
 - 2025: ब्राजील
 - 2026: भारत

यूपीएससी पीवाईक्यू (2025)

ब्रिक्स के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 16वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन कज़ान में रूस की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था।
2. इंडोनेशिया ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बन गया है।
3. 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का विषय था 'वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुसंस्कृतिवाद को मजबूत करना।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) I और II
- (b) II और III
- (c) I और III
- (d) केवल I

उत्तर: (a)

स्रोत: द हिंदू

परमाणु ऊर्जा मिशन

संदर्भ

केंद्र सरकार ने संसद को सूचित किया है कि भारत परमाणु ऊर्जा मिशन के तहत 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों(SMR) को विकसित और चालू करने की योजना बना रहा है।

परमाणु ऊर्जा मिशन की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं?

- 2047 तक 100 GW परमाणु ऊर्जा क्षमता प्राप्त करना: भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा संक्रमण रणनीति और 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप, वर्ष 2047 तक 100 GW परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित करना।
- स्थापित क्षमता और विस्तार: वर्तमान स्थापित परमाणु क्षमता 8,180 MW (जनवरी 2025) है, जिसे 2031-32 तक बढ़ाकर 22,480 MW करने की योजना है।
- लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (SMRs): लघु मॉड्यूलर रिएक्टरों के अनुसंधान, विकास और तैनाती पर ध्यान

केंद्रित करना, जिसके तहत 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी रूप से विकसित SMRs स्थापित करने का लक्ष्य है।

- **कानूनी संशोधनों का प्रस्ताव:** परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 में प्रस्तावित संशोधन।
- **सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) को बढ़ावा:** भारत स्मॉल रिएक्टर्स (BSRs) की स्थापना, भारत स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स के अनुसंधान एवं विकास (R&D) और उन्नत परमाणु प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहन।
- **BARC द्वारा SMRs का विकास:** भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के पुनः उपयोग और दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों में बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए SMRs का विकास।
- **स्वदेशी रिएक्टर प्रौद्योगिकियों पर बल:** स्वदेशी रिएक्टर प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से भारत स्मॉल रिएक्टर्स (220 MW PHWRs) पर जोर, जिन्हें कैप्टिव (अन्तःस्थ) और लचीले उपयोग के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **उन्नत रिएक्टर प्रणालियों की शुरुआत:** हाइड्रोजन सह-उत्पादन के लिए उच्च-तापमान गैस-कूल्ड रिएक्टर और भारत के थोरियम भंडार का उपयोग करने के लिए मोल्टेन साल्ट (पिघला हुआ लवण) रिएक्टर सहित उन्नत प्रणालियों का समावेश।
- **ऊर्जा संक्रमण और जलवायु प्रतिबद्धताओं का समर्थन:** भारत के व्यापक ऊर्जा संक्रमण और जलवायु प्रतिबद्धताओं का समर्थन करना, जिसमें 2030 तक 500GW गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता और COP26 (ग्लासगो, 2021) में की गई प्रतिज्ञा के अनुसार नवीकरणीय ऊर्जा से 50% ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति शामिल है।

स्रोत: [टीओआई](#)

यूनेस्को की रिपोर्ट - भाषा मायने रखती है: भारत के लिए शिक्षा की स्थिति पर रिपोर्ट 2025

संदर्भ

यूनेस्को ने अपनी प्रमुख रिपोर्ट - भाषा मायने रखती है: भारत के लिए शिक्षा की स्थिति रिपोर्ट 2025 जारी की।

यूनेस्को की प्रमुख सिफारिशें (भारत शिक्षा रिपोर्ट 2025) -

- केंद्र और राज्यों के बीच सुदृढ़ संस्थागत संरक्षण के साथ एक समन्वित राष्ट्रीय ढांचे की स्थापना करना।
- स्थानीय और क्षेत्रीय भाषाई संदर्भों के अनुरूप स्पष्ट MTB-MLE (मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा) नीतियों को लागू करना।
- बहुभाषी रूप से सक्षम शिक्षकों की भर्ती एवं प्रशिक्षण करना, तथा सेवा-पूर्व और सेवा-कालीन शिक्षक शिक्षा प्रणालियों में सुधार करना।
- भाषा सीखने के लचीले पथ(pathways) निर्मित करना जो शिक्षार्थियों की विविध भाषाई पृष्ठभूमि को प्रतिबिंबित करते हों।
- स्कूली शिक्षा के भीतर सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय ज्ञान प्रणालियों के एकीकरण को संस्थागत बनाना।
- सभी ग्रेड स्तरों पर उच्च गुणवत्ता वाली बहुभाषी पाठ्यपुस्तकें, मूल्यांकन और शिक्षण संसाधन विकसित करना।
- लैंगिक संवेदनशीलता पर विशेष ध्यान देते हुए, मध्य, माध्यमिक और वैकल्पिक स्कूली शिक्षा में MTB-MLE को एकीकृत करना।
- बहुभाषी शिक्षण, अधिगम और निरंतर शिक्षक परामर्श हेतु डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाना।
- डिजिटल विभाजन को सक्रिय रूप से संबोधित करते हुए अनुवाद उपकरणों, वाक् प्रौद्योगिकियों और एआई में निवेश करना।
- बहुभाषी शिक्षा और भाषा-उत्तरदायी प्रौद्योगिकियों के लिए पर्याप्त और न्यायसंगत वित्तपोषण सुनिश्चित करना।

स्रोत: [यूनेस्को](#)

दुर्बल रूप से अंतःक्रियाशील विशाल कण (Weakly Interacting Massive Particles - WIMPs)

संदर्भ

हाल ही में हुए एक अध्ययन में **मिल्की वे** के केंद्र से गामा-किरणों की अधिकता का पता लगाने का दावा किया गया है, जो दुर्बल रूप से अंतःक्रियाशील विशाल कणों(WIMPs) के विनाश के अनुरूप हो सकता है, जो डार्क मैटर (dark matter) के प्रमुख संभावित उम्मीदवारों में से एक हैं।

दुर्बल रूप से अंतःक्रियाशील विशाल कण(WIMPs) क्या हैं?

- WIMPs काल्पनिक उपपरमाण्विक कण हैं, जिन्हें डार्क मैटर के लिए एक प्रमुख उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित किया गया है।
- ये सामान्य कणों की तुलना में भारी होते हैं और सामान्य पदार्थ तथा विद्युतचुंबकीय विकिरण के साथ अत्यंत कमजोर रूप से परस्पर क्रिया करते हैं।
- चूंकि ये प्रकाश का न तो उत्सर्जन करते हैं, न अवशोषण करते हैं और न ही परावर्तन, इसलिए WIMPs का प्रत्यक्ष रूप से पता नहीं लगाया जा सकता; इनका अनुमान केवल गुरुत्वीय प्रभावों या उच्च-ऊर्जा उप-उत्पादों के माध्यम से लगाया जाता है।
- जब दो WIMPs आपस में टकराते हैं, तो सिद्धांततः वे विनष्ट (annihilate) हो जाते हैं और उच्च-ऊर्जा गामा किरणें उत्पन्न करते हैं, जिन्हें खगोलविद डार्क मैटर के अप्रत्यक्ष प्रमाण के रूप में खोजने का प्रयास करते हैं।
- WIMPs स्वाभाविक रूप से लैम्ब्डा-कोल्ड डार्क मैटर (Λ CDM) मॉडल में समाहित होते हैं, जो ब्रह्मांड की वृहद-स्तरीय संरचना और विकास की व्याख्या करता है। **स्रोत: द हिंदू**

भारत में लगातार तीसरे वर्ष डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन के सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए

संदर्भ

विश्व डोपिंग विरोधी एजेंसी(WADA) की 2024 की परीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगातार तीसरे वर्ष डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन के सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए।

मुख्य निष्कर्ष

2024 में, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (एनएडीए) द्वारा विश्लेषण किए गए 7,113 नमूनों में से 260 भारतीय एथलीट डोपिंग के लिए पॉजिटिव पाए गए।

भारत में पॉजिटिविटी दर 3.6% रही, जो इसे वैश्विक स्तर पर सबसे उच्च दरों में से एक बनाती है।

प्रतियोगिताओं के दौरान जांच किए गए लगभग पांच में से एक भारतीय एथलीट डोपिंग के लिए पॉजिटिव पाया गया।

डोपिंग क्या है?

- डोपिंग से तात्पर्य विश्व डोपिंग विरोधी संहिता के तहत प्रतिबंधित पदार्थों या विधियों का उपयोग करके अनुचित रूप से खेल प्रदर्शन को बढ़ाने से है।
- एथलीटों द्वारा उपयोग किए जाने वाले डोपिंग के सामान्य रूपों में शामिल हैं:
 - **एंड्रोजेनिक एजेंट्स:** मांसपेशियों के द्रव्यमान और शक्ति को बढ़ाने के लिए लिए जाने वाले एनाबोलिक स्टेरॉयड।
 - **उत्तेजक पदार्थ:** ऐसे पदार्थ जो हृदय गति, सतर्कता और सहनशक्ति को बढ़ाते हैं।
 - **डायूरिटिक्स एवं मास्किंग एजेंट्स:** मूत्र को पतला करने या प्रतिबंधित पदार्थों को छिपाने के लिए प्रयुक्त औषधियाँ।
 - **पेप्टाइड हार्मोन:** एरिथ्रोपोइटिन (EPO) जैसे एजेंट, जो लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या और सहनशक्ति को बढ़ाते हैं।
 - **ग्लूकोर्कोर्टिकोइड्स:** सूजनरोधी औषधियाँ, जिनका दुरुपयोग दर्द को दबाने और चोटों को छिपाने के लिए किया जाता है।
 - **बीटा ब्लॉकर्स:** ऐसे पदार्थ जो हृदय गति और हाथों के कंपन को कम करते हैं।

विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (WADA) के बारे में -

- **लॉजें घोषणा** के बाद 1999 में स्थापित एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसी।
- **मुख्यालय:** मॉन्ट्रियल, कनाडा।
- **कार्य:** खेल में डोपिंग के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को बढ़ावा देना, समन्वय करना और निगरानी करना।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (NADA) -

- भारत का शीर्ष डोपिंग रोधी संगठन, युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत काम करता है।
- 2005 में स्थापित और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी अधिनियम, 2022 के माध्यम से वैधानिक समर्थन दिया गया।
- भूमिका: भारत में विश्व डोपिंग रोधी संहिता को लागू करना और डोप-मुक्त खेल सुनिश्चित करना।

स्रोत: [इंडियन एक्सप्रेस](#)

अपाचे हेलीकॉप्टर

संदर्भ

भारतीय सेना को संयुक्त राज्य अमेरिका से एच-64ई अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों का अंतिम बैच प्राप्त हुआ है।

अपाचे हेलीकॉप्टर के बारे में -

- एच-64ई अपाचे एक पूर्णतः एकीकृत आक्रमण हेलीकॉप्टर हथियार प्रणाली है, जिसे सटीक हमलों, उच्च स्तरीय स्थितिजन्य जागरूकता और नेटवर्क-केंद्रित संचालन के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह उन्नत सेंसर और लक्ष्यीकरण प्रणालियों, मानवरहित विमान नियंत्रण क्षमता और मजबूत डिजिटल कनेक्टिविटी से सुसज्जित है।
- इस प्लेटफॉर्म में एक सिद्ध और उन्नत एयरफ्रेम है, जो उच्च तीव्रता और चुनौतीपूर्ण परिचालन वातावरण के लिए उपयुक्त उन्नत शक्ति, सहनशक्ति और गतिशीलता प्रदान करता है।

स्रोत: [द हिंदू](#)

परमवीर चक्र

संदर्भ

परम वीर चक्र से सम्मानित सभी 21 विजेताओं के चित्र अब राष्ट्रपति भवन में प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

युद्धकालीन वीरता पुरस्कार के बारे में

श्रेणी	पुरस्कार का नाम	स्तर	के लिए सम्मानित किया जाता है
--------	-----------------	------	------------------------------

युद्धकाल 	परमवीर चक्र	सबसे बड़ा	शत्रु की उपस्थिति में असाधारण वीरता या सर्वोच्च बलिदान।
	महावीर चक्र	दूसरा सबसे बड़ा	शत्रु की उपस्थिति में विशिष्ट वीरता के कृत्यों के लिए।
	वीर चक्र	तीसरा सबसे बड़ा	युद्ध के मैदान में वीरता के कार्य

स्रोत: [द हिंदू](#)

थैलेसीमिया

संदर्भ

मध्य प्रदेश के अस्पताल में थैलेसीमिया से पीड़ित चार बच्चे एचआईवी पॉजिटिव पाए गए।

थैलेसीमिया के बारे में -

- यह क्या है: थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त विकार है जिसमें हीमोग्लोबिन का उत्पादन कम या अनुपस्थित होता है। हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला प्रोटीन है जो ऑक्सीजन का परिवहन करता है।
- कारण: यह हीमोग्लोबिन संश्लेषण के लिए जिम्मेदार जीन में वंशानुगत उत्परिवर्तन के कारण होता है और माता-पिता से बच्चों में पारित होता है।
- प्रकार:
 - अल्फा थैलेसीमिया: अल्फा ग्लोबिन श्रृंखलाओं का उत्पादन कम होना।
 - बीटा थैलेसीमिया: बीटा ग्लोबिन श्रृंखलाओं का कम उत्पादन; इसमें थैलेसीमिया माइनर (विशेषता), इंटरमीडिया और मेजर (कूली का एनीमिया) शामिल हैं।
- लक्षण: हल्के एनीमिया और थकान से लेकर गंभीर एनीमिया, विकास मंदता, हड्डियों की विकृति और गंभीर मामलों में अंग क्षति तक होता है।

स्रोत: [इंडियन एक्सप्रेस](#)

समाचार में स्थान

ओमान की खाड़ी



समाचार? ईरान ने ओमान की खाड़ी में एक तेल टैंकर को जब्त कर लिया है।

ओमान की खाड़ी के बारे में -

- यह अरब सागर का उत्तर पश्चिमी भाग है।
- **सीमावर्ती देश:** उत्तर में ईरान, पश्चिम में संयुक्त अरब अमीरात और दक्षिण में ओमान से घिरा हुआ है।
- यह अरब सागर को होर्मुज जलडमरूमध्य से जोड़ता है।

स्रोत: [द हिंदू](#)

